बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

कलीसिया का जन्म

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Janie Forest

रूपान्तरकार: Ruth Klassen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2014 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

जब यीशु की मृत्यु हो गई तब, उसके अनुयायी छुप गए। यीशु मरे हुओं में से जी उठने के बाद, अपने चेलों के सामने प्रगट हुवा। यीशु जीवित था! लेकिन - यीशु ने उन्हें छोड़ने की योजना बनाई, ताकि वह वापस स्वर्ग जा सके जहा वह हमेशा परमेश्वर, अपने पिता के साथ रहता था।

यीशु वहाँ
से जाने से
पहले, शिष्यों,
अनुयायियों को
दिलासा दिलाई (वयदा किया)
की वह उनकी मदद के लिए परमेश्वर
की आत्मा को भेजेगा। (यूहन्ना 15:26)
समय निकट आया! यीशु कुछ दिनों के बाद उन्हें
छोड़ दिया, और तब परमेश्वर पवित्र आत्मा आयी।

यह इस तरह से घटित हुआ। यीशु के अनुयायियों में से लगभग 120 अनुयायी एक घर में एक साथ प्रार्थना कर रहे थे। अचानक, घर एक शक्तिशाली तेज हवा की ध्वनि से भर गया।

आग की फटी लपटे प्रत्येक व्यक्ति पर ठहरी। वे सब पवित्र आत्मा से भर गये - ठीक वैसा ही जैसा यीशु मसीह ने वादा किया था!

सड़कों पर बाहर, 'यीशु के अनुयायियों ने अन्य अन्य भाषाएँ बोले जो वे कभी नहीं सीखे थे। यरूशलेम में आए विदेशी लोगों ने शिष्यों की इन कई भाषाओं में परमेश्वर की अद्भुत काम के बारे में बात सुने। आगंतुक चकित थे। "इसका मतलब क्या हो सकता है?" वे पूछे। दूसरों ने मजाक उड़ाया "वे सब नई शराब पीये हुए हैं।"

पतरस ये ने कहा, "ये सब नशे में नहीं हैं ... इसके बारे में योएल नबी ने यह कही थी ..." पतरस ने फिर उन्हें, बहुत साल पहले कि भविष्यवाणी को उन्हें याद दिलाया, परमेश्वर ने वायदा किया था की पवित्र आत्मा लोगों को मदद करने और आशीष देने के लिए आएगा।

पतरस ने उन्हें अपने पापों से पश्चाताप करने और यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लोगों को बताया "... और तुम सब पवित्र आत्मा का दान पाओगे," पतरस ने कहा। लगभग 3000 लोगों ने आज्ञा मानी वे यीशु के भक्तों के रूप में शिष्यों के साथ शामिल हो गए। समय बीतने पर, अधिक से अधिक लोग परमेश्वर की कलीसिया में जुड़ते गए जिसेको परमेश्वर ने पवित्र आत्मा आने के दिन शुरू किया था।

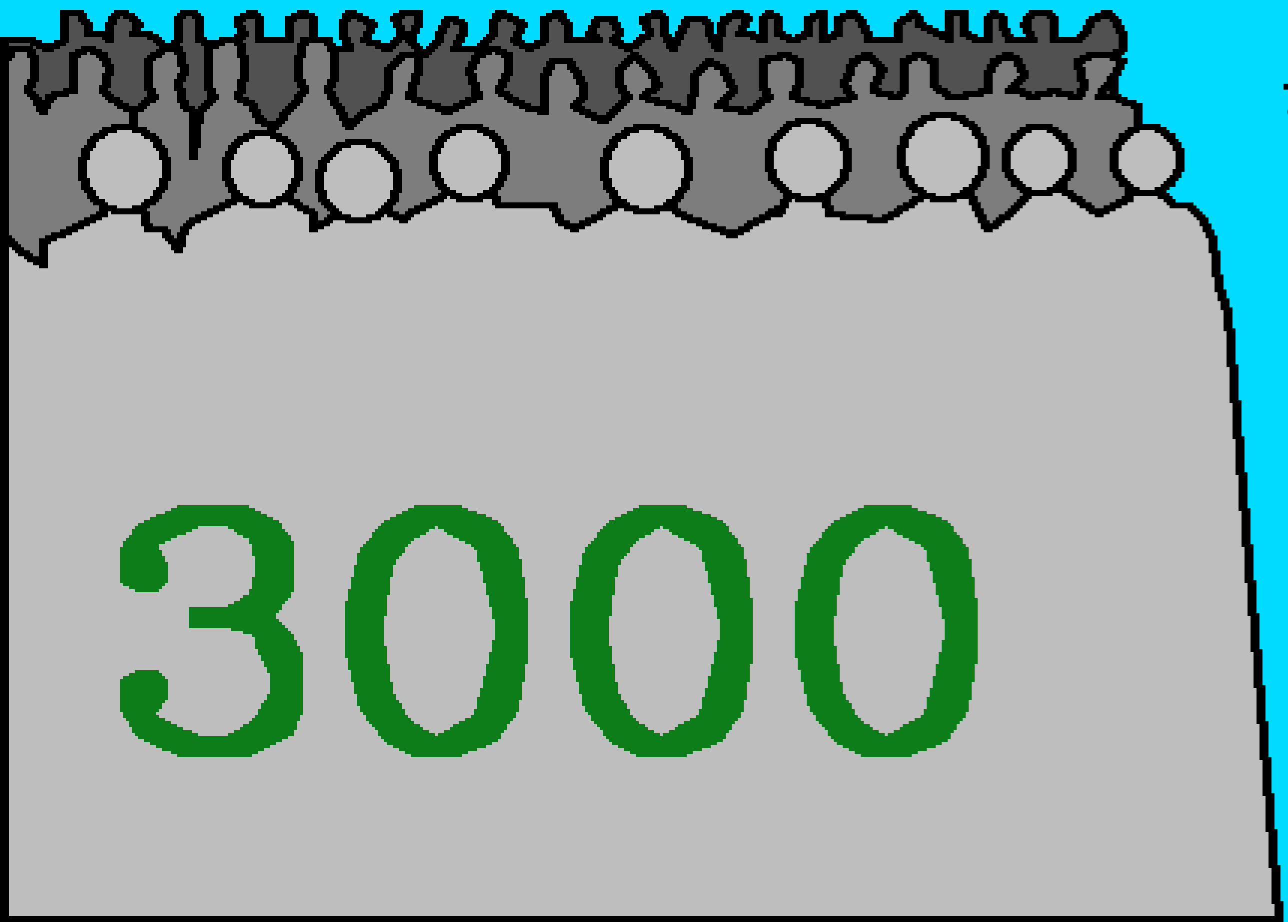

पवित्र आत्मा में परमेश्वर के लोगों के जीवन में प्रभु की शक्ति लाया। एक दिन, पतरस और यूहन्ना, प्रार्थना के वक्त एक साथ मंदिर में गए। एक लंगड़ा भिखारी मंदिर के गेट के बाहर बैठा था। वह पतरस और यूहन्ना से पैसे पाने की उम्मीद से भीख मांगी।

तब पतरस ने कहा, तुम्हे देने के लिए मेरे पास "सोना और चाँदी तो नहीं है, लेकिन जो है ओ मै तुम्हे देता हूँ: यीशु नासरी के नाम से, उठ और चल फिर," और वह दाहिने हाथ में लिया और उसे ऊपर उठाया तोब वह, ऊपर उछाल कर खड़ा हुआ और चलाने लगा - वह उनके साथ मंदिर में प्रवेश किया और परमेश्वर की स्तुति की।

चमत्कार को देखकर चकित एक बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गयी। पतरस ने उन्हें यह बताया की अपंग आदमी को परमेश्वर की शक्ति ने चंगा किया है वह मेरी शक्ति से नहीं हुआ।

जब पतरस ने यहूदियों को याद दिलाया की परमेश्वर ने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया है, तब मंदिर के नेताओं ने गुस्से से पतरस और यूहन्ना को जब्त कर जेल में डाल दिया। हालांकि, लगभग 5000 लोगों ने यीशु पर विश्वास किया।

अगले दिन, पतरस और यूहन्ना मंदिर के शासकों के सामने खड़े हुए। शासकों ने पूछा, "किस शक्ति द्वारा या किस नाम से तुमने यह किया है?" पवित्र आत्मा से परिपूर्ण, पतरस ने बहादुरी से जवाब दिया।... नासरत के यीशु मसीह के नाम से, जिसको तुमने क्रूस पर चढ़ाया, जिसे परमेश्वर ने मृतकों में से जिलाया, उसी के नाम कारण यह आदमी चंगा तुम्हारे सामने खड़ा है"।

पतरस, "बेधड़क बोलना जारी रखा ... स्वर्ग और पृथवी के बीच हमें कोई और दूसरा नाम नहीं दिया गया है जिससे हम उद्धार पा सके।" लोग यीशु पर विश्वास न करें, शासकों ने गंभीर रूप से पतरस और यूहन्ना को धमकी दी।

"अब से तुम यीशु के नाम में किसी से बात नहीं करोगे"।

पतरस एक बार यीशु के नाम के कारण खड़े होने के लिए डर गया था। लेकिन वह पवित्र आत्मा से पहले की बात थी। अब उसे कोई डरा नहीं सकता था।

पतरस और यूहन्ना
ने जबाब दिया,
क्या यह परमेश्वर
की दृष्टि में सही है
कि हम परमेश्वर
को सुनने से ज्यादा
तुम्हरी बातें सुने
और पालन करें,
तुम खुद ही न्याय
कर लो। "लेकिन
हम ने जो देखा
और सुना है, उन
बातों को बताना
बंद नहीं कर
सकते"।

अधिक धमकियों
के बाद, शासकों ने
पतरस और यूहन्ना को
छोड़ दिया। परमेश्वर के
बहादुर सेवकों ने सब
जेल और अदालतों के
बारे में अपने साथियों को
बताया। तब वे एक भव्य
प्रार्थना और स्तुति संगति
का आयोजन किये। फिर
परमेश्वर की पवित्र आत्मा
की शक्ति ने अपने लोगों को
भरा - और उसी समय नये
कलीसिया की स्थापना हुई जो
बढाती और बढाती चली गयी।

कलीसिया का जन्म

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

प्रेरितों के काम 1 - 4

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16